SHRI VASANT CHAVAN (Maharashtra): Sir, I support this Special Mention.

डा. फागुनी राम (बिहार) : मैं अपने आप को इससे संबद्ध करता हूं ।

Concern over non-procurement of maize from the farmers of North Bihar

प्रो0 राम देव भंडारी (बिहार) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं उत्तरी बिहार के मकई उत्पादक किसानों की गंभीर समस्या की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। उत्तरी बिहार के कतिपय जिले कटिहार, पूर्णियां, मधेपुरा, खगड़िया आदि में किसानों द्वारा मकई की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। मकई इस क्षेत्र की मुख्य फसल है जिसका उत्पादन भी भारी मात्रा में होता है।

इस वर्ष भी मकई की फसल तैयार होने के बाद उसका कोई खरीददार नहीं है। किसानों की मकई, खेत, खलिहान, सड़क, बांध पर एक प्रकार से लावारिस हालत में पड़ी है। 15 दिन पहले तक 550 रूपये क्विंटल बिकने वाली मकई आज 400 रूपये में भी नहीं बिक रही है। किसानों को उनकी लागत का मूल्य भी नहीं मिल रहा है। खेती के लिये कर्ज भी किसान लौटाने की स्थिति में नहीं है। आज मकई की खेती किसानों के लिये अभिशाप बन गई है।

अतः आपके माध्यम से मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं, कृषि मंत्री जी यहां उपस्थित हैं, किसानों की दयनीय आर्थिक स्थिति को देखते हुए मकई के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करें तथा इसकी खरीद के लिये जरूरी क्रय केन्द्रो की व्यवस्था शीघ्र करें जिससे किसानों को राहत मिल सके। धन्यवाद ।

श्री विजय सिंह यादव : (बिहार) : उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे संबद्ध करता हूं।

श्री विद्या सागर निषाद (बिहार): उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे संबध करता हूं। 1

Demand to increase generation and supply of electricity in the country

श्री अबू आसिम आज़मी (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, वर्तमान आधुनिक युग में ऊर्जा (बिजली) अनिवार्य आवश्यकता बन गई है, परन्तु विगत कई वर्षो से बिजली की बढ़ती मांग के अनुरूप लोगों को बिजली की सप्लाई नहीं होने से जनता में आक्रोश एवं क्षोभ व्याप्त है। बिजली की सप्लाई में रूकावटों के कारण उद्योग- धंधे बन्द हो रहे हैं, प्रभावित हो रहे हैं । छोटे उद्योग-धंधे बिजली की सप्लाई नहीं होने के कारण आज खत्म होते जा रहे हैं। बिजली की कमी के कारण मजदूरों, बुनकरों, जुलाहों, कारखानों एवं लघु उद्योगों में काम करने वाले मजदूरों को बराबर काम नहीं मिल पा रहा है जिससे देश में भुखमरी एवं बेरोजगारी भी बढ़ी है और देश की अर्थ व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। गर्मी के मौसम में कई राज्यों, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार में